जिला महारानी अस्पताल में पेयजल के लिए भटकते है मरीज के परिजन

रात को अस्पताल पहुंचे लोगों को परेशानी

जगदलपुर, 17 जून (सन्यूस)। जिला महारानी अस्पताल का रेनोवेशन के बाद ओपीडी और वार्ड में भर्ती मरिजो की संख्या में भी बढ़ोत्तरी हुई है. लेकिन अस्पताल में समस्याएं कम नहीं हो पा रहीं हैं। वार्डों में भर्ती मरीज के परिजनो को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। अस्पताल परीसर में मरीज और उनके परिजनो के लिए पानी की कोई व्यवस्था नहीं है।

बस्तर जिले में कोई बड़े अस्पताल और नर्सिंग होम नहीं हैं. बेहतर उपचार की सुविधा नहीं होने के कारण जिले के ग्रामीण उपचार के लिए महारानी अस्पताल पहुंचते हैं। यहां पर सीमावर्ती ओडिशा के लोग भी इलाज कराने के लिए आते हैं। कोरोना संक्रमण के चलते अस्पताल के ओपीडी और इमरजेंसी में भी बड़ी संख्या में मरीज इलाज कराने आते हैं। अस्पताल में संचालित वार्डो में विभिन्न बीमारियों से ग्रसित मरीजों को भर्ती कर उपचार दिया जा रहा है. लेकिन, मरीजों को समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। वार्डों में पेयजल की समस्या बनी हुई है। मरीजों के तीमारदार दिन में परिसर के इर्द-गिर्द से पानी जुटा लेते हैं। कुछ लोग बाहर से पानी लाने को मजबूर हैं. कई मरीजों के परिजन दिन में बाहर घूम कर पेयजल की व्यवस्था कर लेते हैं, लेकिन रात्रि में अधिक समस्या जटिल हो जाती है।

वाटर एटीएम बंद

मेडिकल कॉलेज सह महारानी अस्पताल आने वाले हजारों लोगों की सुविधा के लिए अस्पताल परिसर में 7 लाख की लागत से वॉटर एटीएम स्थापित किया गया था। मेडिकल कालेज के डिमरापाल शिफ्ट होने के साथ वाटर एटीएम को बंद कर दिया गया है। पेयजल की समस्या के चलते मरीजों के साथ आने वाले परिजनों में नाराजगी देखी जा रही है।

प्याऊ का नल टूटा

महारानी अस्पताल परिसर में शहर के एक संभ्रांत परिवार ने वॉटर फिल्टर वाला प्याऊ बनवाया है लेकिन यहां का नल भी टूटा हुआ है और इसका रख-रखाव नहीं हो रहा है, इसलिए मरीज के साथ आने वाले लोग अपने साथ पीने का पानी लेकर आते हैं. अस्पताल परीसर में पेयजल की व्यवस्था नहीं होने से बाजार से मंहगा पानी बोतल खरीदते हैं।

आठ साल पुरानी कंडम वाहनों से संचालित हो रही महतारी एक्सप्रेस

कंपनी बदलने के बाद एंबुलेंस पर ध्यान नहीं

जगदलपुर, 17 जून (सन्यूस)। महतारी सेवा के संचालन को लेकर राज्य सरकार ने अब पशुपतिनाथ कंपनी को इसकी जिम्मेदारी सौंपी है। लेकिन यह कंपनी अब अपनी सुविधा देगी इसको लेकर अब तक कोई पहल इस कंपनी के द्वारा नहीं की गई है। जीवीके कंपनी के 8 साल पुरानी हो चुकी महतारी एक्सप्रेस की गाड़ियां सड़कों पर अब भी दौड़ रहे हैं। इन्हीं कंडम वाहनों पर गर्भवती माताओं को अस्पताल और घर पहुंचा रही। ऐसे में कभी भी बीच रास्ते पर वाहन खराब होने पर जच्चा-बच्चा के लिए खतरा हो सकता है।

राज्य सरकार ने महतारी सेवा के संचालन की जिम्मेदारी पशुपतिनाथ कंपनी को दी है. लेकिन कंपनी द्वारा संचालित 8 साल पुरानी कंडम वाहनों को ही संचालित किया जा रहा है। जीवीके कंपनी से जिम्मेदारी वापस लिए जाने के बाद इस कंपनी के कर्मचारी अब कोई ध्यान गाड़ियों पर नहीं दे रहे हैं। कोरोना संक्रमण काल के चलते प्रभावित होने वाली इस सुविधा को लेकर नोडल अधिकारी भी कुछ कहने से बच रहे हैं। महतारी एक्सप्रेस चलाने वाले कुछ चालकों ने बताया कि इन गाड़ियों को चलाना अब खतरे से खाली नहीं है। लेकिन अन्य कोई उपाय नहीं होने के चलते जुगाड़ करके काम चलाया जा रहा है।

दो हजार माताओं को मिली राहत

कोरोना संक्रमण काल में जहां शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में वाहनों की आवाजाही बंद पड़ी हुई है ऐसे में बस्तर संभाग के सड़कों पर महतारी एक्सप्रेस 102 की गाड़ियां दौड़ रही है। कोरोना संक्रमण की पहली और दूसरी लहर के बीच संभाग में दौड़ रही ये गाड़ियां 2258 महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रही हैं। कर्मचारी दो शिफ्टों में महिलाओं को हॉस्पिटल ले जाने के साथ ही उन्हें घर पहुंचाने की सुविधा दे रहे हैं।

संस्थागत प्रसव को बढ़ावा

महतारी एक्सप्रेस 102 टोल फ्री नंबर पर कॉल करके किसी भी प्रकार की प्रसव संबंधी सहायता और 0 से 1 वर्ष तक के बीमार नवजात शिशु को स्वास्थ्य सहायता दी जा रही है। इस सेवा का लाभ सबसे ज्यादा ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार के लोगो लाभ मिल रहा है। महतारी एक्सप्रेस के कारण संस्थागत प्रसव को बढ़ावा मिला है।

अकार्यशील सहकारी समितियों का होगा परिसमापन

जगदलपुर, 17 जून (सन्यूस)। बस्तर जिले की 148 सहकारी समितियों को छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी अधिनियम के 69(1),70(1) के धाराओं के अंतर्गत सम्बंधित सोसायटी के लिए परिसमापन नियुक्त किया गया है। प्रभारी उप पंजीयक सहकारी संस्थाएँ से प्राप्त जानकारी अनुसार सहकारी सोसायटी नियम 1962 के नियम के अनुसार समितियों के विरुद्ध जो भी लेनदारियां और ऋण लेना बकाया निकलता है वे प्रमाण सहित अपने दावा 17 जून से दो माह की अवधि के भीतर परिसमापक को कार्यालय उप पंजीयक सहकारी संस्थाएँ जगदलपुर में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत किया जा सकता है। उक्त अवधि के बाद प्राप्त दांवों पर कोई कार्यवाही नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति समिति के सदस्य या भूतपूर्व पदाधिकारी- कर्मचारी के पास उक्त सहकारी समितियों से सम्बंधित कोई भी कागजात सामान एवं रोकड़ आदि हो तो वे 15 दिन के भीतर परिसमापक के पास जमा करें या लिखित में सूचना देवे अन्यथा निक्षित समय के बाद यदि किसी व्यक्ति के पास समितियों का कोई रिकार्ड या सामान की जानकारी होने पर कानूनी कार्यवाही किया जाएगा।अधिक जानकारी के लिए उप पंजीयक कार्यालय संयुक्त कार्यालय भवन कक्ष क्रमांक एस-14 में सम्पर्क कर सकते है।

श्मशान व पहुंचमार्ग पर अतिक्रमण की शिकायत

जगदलपुर, 17 जून (सन्यूस)। दलपत सागर किनारे स्थित सोनार समाज एवं धरमपुरा निवासियों के पुराने समशान पर अतिक्रमण और पहुंच मार्ग पर कब्जा किए जाने की शिकायत धरमपुरा वासियों ने की है । यह विवाद विगत कई वर्षों से चल रहा है। इसके लिए तहसीलदार जगदलपुर द्वारा भी प्रयास किया गया था जिसके अनुसार शमशान तक पहुंचने के लिए पड़ोस के जमीन मालिक द्वारा रास्ता दिए जाने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन सोनार समाज और धरमपुरा वासियों के द्वारा शमशान पर जाने के लिए सीधे रास्ते की मांग की जा रही है। जिसके तहत बुधवार को राजस्व निरीक्षक और पटवारी उक्त स्थल पर पहुंचकर शमशान के क्षेत्रफल की पैमाइश की और पंचनामा कर शिकायत करने वालों से हस्ताक्षर लेना चाहा लेकिन शिकायतकर्ताओं ने शमशान जाने के रास्ते को नहीं दर्शाए जाने के चलते पंचनामा पर हस्ताक्षर करने से इनकार किए।

इस संबंध में शिकायतकर्ताओं ने हमारे संवाददाता से कहा कि उनके समाज के पूर्वजों का अंतिम संस्कार इसी श्मशान पर हुआ है और अभी इसी श्मशान का उपयोग धर्मपुरा क्षेत्र के लोग करते आ रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से पड़ोस के जमीन पर दीवाल बनाए जाने से शमशान पहुंचने का मार्ग अवरुद्ध हो गया है। लोगों को शमशान तक जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार इसकी शिकायत शासन प्रशासन से की जा चुकी है लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उपस्थित महिलाओं का कहना है कि यदि शमशान के लिए रास्ता नहीं दिया जाता है तो वे आंदोलन कर सकते हैं।

बेरोजगार,युवा,बुजुर्ग,महिलायें,किसान बने झूठे वादों के शिकार - किरणदेव

जगदलपुर, 17 जून (सन्यूस)। भाजपा का जनता के बीच पहुँच कर कांग्रेस सरकार की विफलता,वादाखिलाफी को लेकर सीधे संवाद करने का अभियान जारी है। प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर भाजपा के नेता,कार्यकर्ता शक्ति केन्द्र व बूथवार कार्यक्रम आयोजित कर रहे है और कांग्रेस सरकार की नाकामियों पर प्रहार कर रहे हैं। 12 जून से 17 जून तक भाजपा ने यह महाअभियान चला रही है जिसके तहत भाजपा प्रदेश महामंत्री किरणदेव ने नगरनार व नानगूर मंडल के ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा किया व ग्रामीण महिलाओं, बुजुर्ग, युवाओं, किसानों से चर्चा की व कांग्रेस सरकार की असफलता व वादाखिलाफी पर सवाल किये।

श्री देव ने कहा कि ढाई साल का लंबा कार्यकाल पूरा होने के बाद भी कांग्रेस राज्य सरकार चुनाव में किये वादों की सुध नहीं ले रही। कांग्रेस का उद्देश्य जनता से झूठ बोल कर सत्ता को हथियाना था। बेराजगार युवाओं को कोई भत्ता नहीं मिला। बुजुर्ग व विधवा महिलाओं को पेंशन देने का वादा झूठा साबित हुआ।

मेहनत करने वाले किसान भाईयों को धान खरीदी की पूरी राशि नहीं मिल पायी,जो बोनस के झूठे वादे सिकार हुए।कोरोना महामारी में जीवन रक्षक वैक्सीन को लेकर भ्रम फैलाने की राजनीति की गयी।कांग्रेस की सरकार को जनता की परेशानी,उनका दु:ख दर्द नहीं दिखता,इस सरकार को अपने झूठे वायदों का जवाब देना होगा।साड़ागुड़,पुसपाल सहित अन्य गाँव में भाजपा कार्यकर्ताओं ने चौपाल लगाकर कार्यक्रम किये।

सरकार को जगाने गंगाजल छिड़क बीन बजाई भाजयुमो ने

गोलबाजार में भाजयुमो ने किया प्रदर्शन,वादाखिलाफी के विरोध में बुलंद की आवाज

जगदलपुर, 17 जून (सन्यूस)। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने आज स्थानीय गोल बाजार चौक में कांग्रेस सरकार द्वारा बेरोजगार युवाओं को भत्ता देने व नौकरियाँ देने की वादा खिलाफी के खिलाफ प्रदर्शन किया। युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने सरकार को जगाने मुख्यमंत्री के पोस्टर पर गंगाजल छिड़क कर बीन भी बजायी व कांग्रेस सरकार को युवाओं को छलने वाली सरकार करार दिया।

प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर भाजपा महाअभियान चला रही है,जिसके तहत कांग्रेस सरकार की वादा खिलाफी को लेकर जनता से सीधे संवाद किया जा रहा है। आज भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने छत्तीसगढ़ से किये वायदों को पूरा न करने पर सरकार को घेरा। भाजयुमो जिलाअध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव ने कहा कि भूपेश सरकार को नींद से जगाने के लिये जिले के सभी 11 मंडलों में आज युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया है। ढाई साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद भी मौजूदा कांग्रेस सरकार ने बेराजगार युवाओं को न कोई बेरोजगारी भत्ता दिया और न ही युवाओं की नौकरियों के लिये योजना है।चुनाव के समय झूठे वायदों का झुनझुना बजा कर सत्ता में आयी कांग्रेस ने प्रदेश के युवाओं के साथ छल किया है।युवाओं की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है,जिसको लेकर प्रदेश के युवा चिंतित व आक्रोशित हैं।

जगदलपुर, 17 जून (सन्यूस)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती ऋचा प्रकाश चौधरी ने बुधवार को जनपद पंचायत दरभा के विभिन्न पंचायतों में दौरा कर नवीन पंचायत भवन, सामुदायिक शौचालय, गौठान, स्कूल आदि का निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए।

सौंदर्यीकरण

जगदलपुर 17 जून (सन्यूस) दलपत सागर को सुंदर बनाने का कार्य चल रहा है दलपत सागर के आईलैंड से लेकर पचरि घाट तक आकर्षक लाइटिंग के साथ पाथवे बनाया गया है। इसके साथ ही समुंद चौक को चौड़ा करते हुए श्री कृष्ण मंदिर और श्री राम मंदिर को भी संवारने का कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य पूर्ण होने पर निश्चित ही समुंद चौक एक नए परिवेश के साथ आकर्षक रूप में हमारे सामने उपस्थित होगा और जगदलपुर पहुंचने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करेगा । जिला प्रशासन और नगर निगम प्रशासन इस कार्य में पूरी मुस्तैदी के साथ जुड़ा हुआ है।

आनन्दित जीवन से बढ़ती है रोगप्रतिरोधक क्षमता - डॉ. विवेक दुबे

जगदलपुर, 17 जून (सन्यूस)। मनुष्य को अधिकतम बल की प्राप्ति आनन्द से होती है, जो हमारे शरीर के प्रतिरोधक क्षमता को भी सुदृढ करता है । आनन्द के बिना स्वस्थ जीवन एक कल्पना मात्र है। शरीर में केवल भौतिक और रासायनिक तत्वों की सही मात्रा का होना उसके स्वस्थ होने का प्रमाण नही माना जा सकता। स्वास्थ्य का सम्बन्ध व्यक्ति के स्वयं की सम्यक् स्थिति के साथ-साथ उसके परिवार, समाज और समस्त प्रकृति से भी है। यह कहना है प्रदेश के विख्यात आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. विवेक दुबे का।डॉ. विवेक ने बताया कि सभी स्तरों में समन्वयता पूर्ण स्थिति का होना ही आनन्द पूर्ण जीवन है। यही आनन्द हमारे शरीर, मन और आत्मबल का वर्धन करता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।आधुनिक चिकित्सा अनुसार भी यह स्पष्ट हो चुका है कि व्यक्ति की मानसिक स्थिति का सीधा सम्बन्ध उसके रोगप्रतिरोधक क्षमता से है। व्याधि के न होने पर भी यदि आनन्द की स्थिति नही है, तो संपूर्ण स्वास्थ्य की प्राप्ति नही हो पाती है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को लोभ, ईर्ष्या, द्वेष, क्रोध, हिंसा इत्यादि से अपने को अलग रखना चाहिये और इन भावों के वशीभूत होकर कोई भी कार्य नही करना चाहिये।परिवार और समाज में सहयोग और प्रेम पूर्ण भाव, समस्त जीव-जगत और प्रकृति के साथ आत्मीयता के भाव का होना आपको आनन्द और समग्र स्वास्थ्य प्रदान करता है।

आनन्द प्राप्ति के उपाय

सदा सत्य वचन बोलें, शान्ति व्यवस्था स्थापित करने वाले कार्य करें, शान्तिप्रिय हों, दूसरों के धन या वस्तु की अपेक्षा न करें, प्रत्येक कार्य अच्छी तरह सोच-विचार कर करें, नकारात्मक या शत्रुता पूर्ण विचार और व्यवहार से दूर रहें, अपने परिवार और समाज में वृद्धजनों, विद्वानों का सम्मान करें , सभी प्राणियों के शुभचिन्तक बनें, प्रकृति द्वारा प्राप्त वस्तुओं का सदुपयोग करें एवं प्रकृति की सुरक्षा के लिये तत्पर रहें । आध्यात्मिक कार्यों में प्रवृत्त हों? ये सभी कार्य आपको सकारात्मक बल प्रदान करते हैं जिससे आप आनन्द की प्राप्ति करते हैं।

मानव का इस संपूर्ण जगत से सम्बन्ध

डॉ. विवेक ने कहा कि आयुर्वेदानुसार, मानव इस संपूर्ण जगत का एक लघु स्वरूप है, जो भी सिद्धान्त इस संपूर्ण जगत को नियन्त्रित करते हैं वही सिद्धान्त मनुष्य को भी नियन्त्रित करते हैं। इस दृष्टि के साथ मानव जीवन को देख पाना, स्वास्थ्य के समग्रता का ज्ञान देता है। बाह्य वातावरण में होने वाले परिवर्तन मनुष्य को भी प्रभावित करते हैं, और मनुष्य द्वारा किये गये कार्यों का असर इस वातावरण में भी होता है। यदि इस विषय की सही समझ हो तो नकारात्मक कार्यों से बचा जा सकता है। व्यक्ति को उसके स्वयं के साथ, उसके परिवार, समाज, इस सम्पूर्ण जीव जगत और प्रकृति इन सभी के साथ उसके सम्बन्ध को सही प्रकार से देखने का प्रयास करना चाहिये और उसके अनुरूप कार्य करना चाहिये।

आनन्द में बाधक दस निन्दित कर्म

हिंसा -प्राणियों को हानि पहुंचाना, चोरी करना , परस्त्री संपर्क , चुगली करना, कठोर वचन, झूठ बोलना, असंबद्ध वचन बोलना, दूसरे को हानि पहुंचाने की योजना, ईर्ष्या, शास्त्रों के प्रति विपरीत दृष्टि।

आनन्द को प्रदाय करने वाले विशेष उपाय

ब्रह्मचर्य, ज्ञान, संबन्ध को जानना, दान, मैत्री, करुणा, हर्ष, उपेक्षा, शान्ति